

कंपनी रजिस्टर्ड

अपने इनोवेशन को सफल स्टार्टअप में बदल सकेंगे विद्यार्थी, शिक्षा के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में होंगे आत्मनिर्भर

युवाओं को स्वरोजगारी बनाने विश्वविद्यालय में बनाई कंपनी

वांगूनिया प्रीमिनिस्टर डगलस्लारुर गट्टोय विधायक नोटरी (एन्टारियो) 2020 के तात्पर्य विधायिकाओं को विज्ञा के सभ्य-साथ नेपाली व उदयपुर के उद्यमिताओं के लेप्र में उत्तराखण्डमें बदलने के उद्देश्य से शाहीद अहोड़ इम्बै विधायिकालय ने एक और भवित्वपूर्ण जाल करते हुए मिसिसिपी ओफ ब्राउंस्ट अफेलर में एस्ट्रेम्पक्षीय इन्ड्यूशन एड स्टार्टअप्स फाउंडेशन नाम से आपनी बांधने रजिस्टर्ड कराया है। यह गैर सलकारी कानूनी विधायिकाओं के उत्तराखण्ड व स्वतंत्र के व्यापार को स्थापित करने का लिया जायेगा।



कल्पना के गोड़ की पहचान बेटक में मैं जुट कूलपति हूँ। मनेज कम्पर लीवरसन्स व अन्य व्यापकता।

कामनों के बीहां की पहली बैठक विधि का प्रशासनिक भव्यन के समाजार में हुई। इसमें कामनों के केसलेट, विधि के संवर्धित अधिकारियों व आईआईसी मेंसेस को उपस्थिति में कई सिद्धांतों पर चर्चा हुई।

कुलपति ने गोपालगढ़ ने बताया कि इस प्राचीन से न केवल विद्यार्थी

३. मनेजर कुमार शीतलस्वयं व अन्य व्यक्तिगत।  
स्थानेजारी और आवधनिकर बन सकेंगे  
वहिं ऐसी कंपनियां भारतीय  
अर्थव्यवस्था के विस्तर में भी  
उल्लेखनीय सहयोग करेंगी। विद्युतीय  
विवि के आवासों इकट्ठे और कंपनी  
की मदद से अपने व्यवस्था पर विचार  
कर कारोबार में बदल सकेंगे। सच्च ही वे  
नए स्टार्टअप माहौल विकसित करने में

प्रियांगिनी और प्रियांका के बीच जड़ाप  
और उद्दमित की समस्ति को बहुत  
टैने के लियम बताया गया है।

एंटरप्रीज 2020 के नियमनुसार विजेता में नवाचाह और उत्थापित वो व्यापार दोनों के लिए इंटरटेनमेंट इन्डस्ट्रीज़ सेंटर (आइआईटी) को अवाञ्छित की गई है। विजेते महोने आइआईटी कलाकार ट्रॉप के तात्त्विक विभागीय अधिकारी विजेता लिए गए हैं। अब इन वर्षों वो आईआईटी व्यापारी वर्कशॉप के लिए कामोंसे हासिलहो कराएंगे गए हैं।

उत्तराखण्ड के अनुसार केन्द्रीय अधिनियम 2013 को भारा 8 के लिए गैर साधारणी कानूनिक प्रक्रिया की होती है। इन कानूनियों का उद्देश्य कानून, विज्ञापन अनुसंधान, धर्म, लोक, वित्त, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कल्याण वा वहाँ द्वारा होती है।

# युवाओं को स्वरोजगारी बनाने के उद्देश्य से शमक विवि में कंपनी रजिस्टर्ड

जगदलपुर, 27 मार्च (देशबन्धु)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत विद्यार्थियों को एजुकेशन के साथ-साथ नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण पहल किए हैं। विवि ने मिनिस्ट्री ऑफ कार्पोरेट अफेयर में एसएमकेवि इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम से अपनी कंपनी रजिस्टर्ड कराया है। यह गैर सरकारी कंपनी विद्यार्थियों के रोजगार एवं स्वयं के व्यापार को स्थापित करने हेतु कार्य करेगी। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत रजिस्टर्ड इस कंपनी में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी एवं सहायक कुलसचिव केजूराम ठाकुर डायरेक्टर होंगे। बुधवार को नव रजिस्टर्ड कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक विवि के प्रशासनिक भवन के सभागार में हुई। इसमें कंपनी के कंसल्टेंट, विवि के संबंधित अधिकारियों एवं आईआईसी मेंबर्स



की उपस्थिति में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई।

कुलपति प्रो.

श्रीवास्तव ने बताया कि इस पहल से न केवल विद्यार्थी स्वारोजगारी और आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि ऐसी कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उल्लेखनीय सहयोग करेंगी। विद्यार्थी विवि के आईआईसी इकाई और कंपनी की मदद से अपने व्यवसाय एवं विचार को कारोबार में बदल सकेंगे। साथ ही वे नए स्टार्टअप मॉडल विकसित करने में सफल होंगे। इसके लिए उन्हें

अपने इनोवेशन को सफल स्टार्टअप में बदल सकेंगे रस्टॉरेंट्स

मेंटरशिप, संसाधन एवं इन्वेस्टमेंट हेतु फ़ाइनेंस भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी की सहायता से विवि अपने विद्यार्थियों के लिए स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगा। उन्हें एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में हर संभव सहयोग दे सकेगा। प्रो. श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि एनईपी 2020 के मल्टीडिसिप्लीनरी पार्ट्यक्रम में इनोवेशन और इंटरप्रेयनशिप को एकीकृत किया

गया है। विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सोचने और समाज की समस्याओं को हल करने में अपने ज्ञान को उपयोग करने पर बल दिया गया है। भारत के शैक्षिक परिदृश्य को बदलने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एनईपी 2020 में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के नियम बनाए गए हैं। एनईपी 2020 के नियमानुसार विवि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशनल इंक्यूवेशन सेंटर( आईआईसी ) की स्थापना की गई है। पिछले महीने आईआईसी चार्टर टू के तहत विभिन्न प्रभावी आयोजन भी किए गए हैं। अब इन कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए कंपनी रजिस्टर्ड कराई गई है। जानकारी के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत गैर लाभकारी कंपनियां पंजीकृत होती हैं। इन कंपनियों का उद्देश्य कला, विज्ञान, अनुसंधान, धर्म, खेल, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना होता है।

#employment&enovation कंपनी को एसएमकेवी इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम

# रोजगार व इनोवेशन के लिए विवि ने अब बना डाली खुद की कंपनी

कंपनी के बोर्ड की हुई  
बैठक, कुलपति और  
कुलसचिव कंपनी के  
डायरेक्टर



पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com



गुरुवार को विवि के सभागार में कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक आयोजित हुई।

## एनईपी 2020 की सोच के तहत पहल की गई

जगदलपुर, बस्तर विश्वविद्यालय ने खुद की कंपनी रजिस्टर्ड कर ली है। इस कंपनी को एसएमकेवी इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम दिया गया है। यूनिवर्सिटी के छात्र रोजगार के लिए तैयार हों और इनोवेशन कर सकें इसलिए यह पहल की गई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थियों को एजुकेशन के साथ-साथ नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विवि ने मिनिस्ट्री ऑफ कार्पोरेट अफेयर में एसएमकेवी इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम से अपनी कंपनी रजिस्टर्ड कराई है। यह गैर सरकारी कंपनी विद्यार्थियों के रोजगार एवं स्वयं के व्यापार को स्थापित करने का काम करेगी।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत रजिस्टर्ड इस कंपनी में

को रचनात्मक रूप से सोचने और समाज की समस्याओं को हल करने में अपने ज्ञान को उपयोग करने पर बल दिया गया है। भारत के शैक्षिक परिवेश को बदलने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एनईपी 2020 में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के नियम बनाए गए हैं। एनईपी 2020 के नियमानुसार विवि में

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशनल इंक्यूवेशन सेंटर(आईआईसी)की स्थापना की गई है। पिछले महीने आईआईसी क्वार्टर टू के तहत विभिन्न प्रभावी आयोजन भी किए गए हैं। अब इन कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए कंपनी रजिस्टर्ड कराई गई है। जानकारी के अनुसार कंपनी अधिनियम के तहत रजिस्ट्रेशन होगा।

कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी एवं सहायक कुलसचिव केजूराम ठाकुर डायरेक्टर बनाए गए हैं। बुधवार को इस कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक विवि के प्रशासनिक भवन के सभागार में हुई। कंपनी के कंसल्टेंट, विवि के संबंधित अधिकारियों एवं

आईआईसी मेंबर्स की उपस्थिति में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि इस पहल से न केवल विद्यार्थी स्वरोजगारी और आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि ऐसी कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उल्लेखनीय सहयोग करेगी। विद्यार्थी विवि के आईआईसी

इकाई और कंपनी की मदद से अपने व्यवसाय एवं विचार को कारोबार में बदल सकेंगे। साथ ही वे नए स्टार्टअप मॉडल विकसित करने में सफल होंगे। इसके लिए उन्हें मेटरशिप, संसाधन एवं इन्वेस्टमेंट हेतु फाइंनेंस भी आसानी से मिल जाएंगे।